चतुर्थ अध्याय
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

भूमिका

प्रस्तुत अध्याय में प्रश्नावली, अवलोकन सूची तथा साक्षात्कार अनुसूची द्वारा प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण किया गया है। प्रश्नावली तथा साक्षात्कार अनुसूची कार्यकर्ताओं के लिए है। तथा अवलोकन सूची आंगनवाडी केन्द्र के लिए तैयार की गई है।

साक्षात्कार अनुसूची तथा अवलोकन सूची के प्रदत्तो का सारणीयन किया गया है। प्रश्नावली, अवलोकन अनुसूची तथा साक्षात्कार अनुसूची का विश्लेषण परिणाम तथा व्याख्या का वर्णन किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण उपकरणों के क्रम अनुसार किया है इसकी व्याख्या निम्नानुसार है :-

4.1 प्रश्नावली (आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए)

आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं के लिए प्रश्नावली तैयार की गई जिसमें 10 प्रश्न है। इन प्रश्नों पर कार्यकर्ताओं द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं का वर्णन निम्नानुसार है :-

4.1.1 पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के संबंध में :-

इस प्रश्न के उत्तर पर प्रतिक्रिया इस प्रकार है :- होशंगाबाद की 20 आंगनवाडी में से 8 आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ता पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम कों बच्चों की पढ़ने लिखने की तैयारी मानते है, 7 आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ता प्राथमिक शाला की तैयारी मानते है, 2 आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ताओ को इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी तो है, परन्तु उद्देश्य के प्रति वे उदासीन रहे, जबकि 3 आंगनवाडी के कार्यकर्ताओं को पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के बारे में स्पष्ट जानकारी थी, तथा इसके उद्देश्य की भी जानकारी थी।

अतः अधिकांश कार्यकर्ता पूर्व प्राथमिक शिक्षा के बारे में जानकारी रखते है, केवल दो ही कार्यकर्ता उद्देश्य के प्रति उदासीन रहे।

4.1.2. पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं बच्चों के विकास के संबंध में :-

20 आंगनवाडियों केन्द्र में से 14 आंगनवाडी के कार्यकर्ता पूर्व प्राथमिक शिक्षा बच्चो के शारीरिक मानसिक सामाजिक विकास में सहायक मानते है। 2 आंगनवाडी के कार्यकर्ता यह बताने में असमर्थ रहे, कि यह शिक्षा बाल विकास में किस प्रकार सहायक है। जबकि 4 आंगनवाडी के कार्यकर्ता ने कहा कि यह बच्चों के सर्वागीण विकास में सहयोग देती है। अधिकांश आंगनवाड़ी के कार्यकर्ता का कहना है कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा बच्चों के सर्वागिण विकास में सहायक है। केवल 2 आंगनवाड़ी के कार्यकर्ता यह बताने में असमर्थ रहे है।

ICDS के अनुसार पूर्व प्राथमिक शिक्षा बच्चों के सर्वागीण विकास में सहयोग देती है।

4.1.3 आंगनवाडी में दी जा रही सुविधा के बारे में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रों में से 13 आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने विश्वासपूर्वक यह बताया कि आंगनवाडी में दी जाने वाली सुविधांए संतुष्टिजनक नहीं है। जबकि 7 आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने बताया कि आंगनवाडी केन्द्र में दी जाने वाली सुविधांए कुछ हद तक संतुष्टिजनक है। अतः अधिकांश आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं ने बताया की केन्द्र में दी जा रही सुविधाएं संतुष्टिजनक नहीं है। जबकि 7 आंगनवाडियों के कार्यकर्ताओं का कहना है कि दी जा रही सुविधाएं सन्तुष्टिजनक हैं।

ICDS के मानदण्डो के अनुसार प्रत्येक आंगनवाडी में बच्चो के शारीरिक बौद्धिक, सृजनात्मक विकास के लिए पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए।

4.1.4 प्रशिक्षण अवधि के संबंध में :-

20 आंगनवाड़ी केन्द्रों में से 15 आंगनवाड़ी कार्यकताओं को तीन माह में एक बार प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि 5 आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने बताया कि महीने में एक बार प्रशिक्षण दिया जाता है। अतः अधिकांश आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं को 3 माह में एक बार प्रशिक्षण दिया जाता है।

ICDS के मानदण्डो के अनुसार सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन माह में एक बार प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

4.1.5 प्रशिक्षण के विभिन्न घटको के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रो में से सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण आहार, अनौपचारिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जाता है।

अतः सभी आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण आहार अनौपचारिक शिक्षा का प्रशिक्षण देते है।

ICDS के मानदण्डो के अनुसार सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता को स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण आहार अनौपचारिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

4.1.6 स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित जानकारी के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रो के सभी कार्यकर्ता अभिभावकों को स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित - संतुलित भोजन का सेवन, शरीर की साफ सफाई, बच्चों को सही समय पर टीका लगवाना, आदि जानकारी देते हैं।

सभी आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ताओं अभिभावकों को स्वास्थ्य व पोषण से संबंधित जानकारी देते हैं।

4.1.7 अभिभावको के सम्पर्क के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रो में से 10 आंगनवाडी के कार्यकर्ता महिने में एक बार अभिभावक से सम्पर्क करते है। 8 आंगनवाडी के कार्यकर्ता 15 दिन में एक बार तथा 2 आंगनवाडी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभिभावक से सम्पर्क करने का निशचित समय नहीं है।

अधिकांश आंगनवाड़ियों के कार्यकर्ता महिने में एक बार अभिभावक से सम्पर्क करते है।

ICDS के अनुसार आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को महीने में एक बार अभिभावक से संपर्क करना चाहिए।

4.1.8 समुदाय के सहयोग के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्र में से 15 आंगनवाडी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि समुदाय का सहयोग हर महिने मिलता है। 3 कार्यकर्ताओं का कहना है। कि दो माह में एक बार सहयोग मिलता है जबकि 2 कार्यकर्ताओं का कहना है कि समुदाय का सहयोग का समय निश्चित नही है।

अधिकांश आंगनवाडियों में समुदाय का सहयोग हर महिने मिलता है।

ICDS के अनुसार सभी आंगनवाडी में समुदाय का सहयोग मिलना चाहिए।

4.1.9. अभिभावकों को बच्चो को रोगों से बचाने के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रो में से सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता रोगों से बचाने के उपाय के बारे में, टीकाकरण, शरीर सफाई, मच्छरदानी का उपयोग, संतुलित भोजन के बारे में अभिभावको को जानकारी समय- समय पर उपलब्ध कराते है।

4.1.10 ज्ञानेन्द्रिय संवेदना के संबंध में :-

20 आंगनवाडी केन्द्रो में से अधिकतर अर्थात् 18 आंगनवाडी केन्द्रो के कार्यकर्ता स्वाद के लिए मीठा, नमकीन, खट्टी चीजों, स्पर्श के लिए विभिन्न रंगो व आकार की वस्तु का उपयोग करते है। जबकि 2 आंगनवाडी के कार्यकर्ता गंध के लिए विभिन्न फूलों का उपयोग द्वारा ज्ञानेन्द्रिय संवेदना का विकास कराते है।

ICDS के अनुसार बच्चों में ज्ञानेन्द्रिय संवेदना गंध, स्वाद स्पर्श, दृश्य के लिए विभिन्न क्रियांए कराई जानी चाहिए।

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

4.2 अवलोकन अनुसूची

प्रस्तुत अध्ययन में अवलोकन अनुसूची के *माध्यम से भौतिक, शैक्षिक, खेल तथा प्राथमिक* उपचार से संबंधित सुविधाओं का अवलोकन किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

4.2.1 भौतिक सुविधाएं

तालिका क्रमांक 4.2.1

आंगनवाडी केन्द्र की भौतिक सुविधाओं का विवरण :-

सुविधाएं	आंगनवाडी केन्द्र की संख्या N=20	प्रतिशत
कमरा	20	100 %
किचन	13	65 %
पीने का पानी	15	75%
स्टोर रूम	11	55%
बरामदा	3	15%
सोने की व्यवस्था	Nil	Nil
शौचालय	5	25%
फर्श/दरी	11	55%
अन्य	9	45%

तालिका क्रमांक 4.2.1 होशंगाबाद की 20 आंगनवाडी केन्द्र की भौतिक सुविधाओं का विवरण देती है। 100% (20) आंगनवाडियो में कमरा, 65% (13) आंगनवाडियो में किचन, 75% (15) आंगनवाडियों पीने का पानी, 55% (11) आंगनवाडियों में स्टोर रूम, 15% (3) आंगनवाडियों में बरामदा, 25% (5) आंगनवाड़ियों में शौचालय, 55% (11) आंगनवाडी में फर्श/दरी तथा 45% (9) आंगनवाडियों में अन्य सुविधांए है। जबकि सोने की व्यवस्था किसी भी आंगनवाडी में नहीं है।

अतः ICDS के अनुसार कमरा, किचन, पीने का पानी, स्टोर रूम, बरामदा, सोने की व्यवस्था, शौचालय, फर्श/दरी तथा अन्य भौतिक सुविधाएं सभी आंगनवाडियों में होनी चाहिए।

उपर्युक्त तालिका से हमें ज्ञात होता है कि शौचालय बरामदा बहुत कम आंगनवाडियों में पाए गये। जबकि किसी भी आंगनवाडी में सोने की व्यवस्था नहीं पाई गई।

4.2.2 शैक्षिक सुविधाएं

तालिका क्रमांक 4.2.2

शैक्षिक सुविधाएं से संबंधित तालिका का विवरण :-

सुविधांए	आंगनवाडी की संख्या N=20	प्रतिशत
चार्ट	15	75%
खिलौनें	15	75%
श्यामपट	9	45%
डस्टर	8	40%
कहानी की पुस्तकें	11	55%
श्रृव्य साधन सामग्री	Nil	Nil
रंगीन चॉंक	4	20%
विभिन्न आकर के ब्लाक्स	13	65%
विभिन्न रंग की वस्तु	13	65%
अन्य	8	40%

तालिका क्रमांक 4.2.2 होशंगाबाद की 20 आंगनवाडी केन्द्र की शैक्षिक सुविधाओं का विवरण देती है। 75% (15) आंगनवाडियों में चार्ट तथा खिलौने, 45% (9) आंगनवाडियों में श्यामपट, 40% (8) आंगनवाडियों में डस्टर, 55% (11) आंगनवाड़ियों में कहानी की पुस्तकें, 20% (4) आंगनवाडियों में रंगीन चॉंक, 65% (13) आंगनवाडियों में विभिन्न आकार के ब्लाक्स तथा विभिन्न रंग की वस्तुए, 40%(8) आंगनवाडी में अन्य सुविधाएं है। किसी भी आंगनवाडी में श्रृव्य साधन सामग्री नहीं है।

अतः ICDS के अनुसार शैक्षिक सुविधाएं चार्ट, खिलौने श्यामपट, डस्टर, कहानी की पुस्तकें, श्रृव्य साधन सामग्री रंगीन चाक, ब्लाक्स, आदि होना चाहिए है।

जबकि अवलोकन द्वारा ज्ञात होता है कि किसी भी आंगनवाडी में श्रृव्य साधन सामग्री नहीं पाई गई। अतः शैक्षिक सुविधाओं में कहानी की पुस्तकें तथा चार्ट खिलौने कम संख्या में पाए गए। तथा कुछ खिलौने टूटे हुए पाए गए।

4.2.3 खेलनें की सुविधाएं

तालिका क्रमांक 4.2.3

खेलनें की सुविधाओं की तालिका का विवरण :-

सुविधाएं	आंगनवाडी के संख्या N=20	प्रतिशत
खेलने का मैंदान	15	75%
खिलौनें	16	80%
झूलें	4	20%
फिसलपट्टी	4	20%
गेंद	17	85%
ब्लॉक	13	65%
मोती	7	35%
अन्य	10	50%

तालिका 4.2.3 होशंगाबाद की 20 आंगनवाडियों में खेलने की सुविधाओं का विवरण देती है 75% (15) आंगनवाड़ियों में खेलने का मैंदान, 80% (16) आंगनवाड़ियों खिलौनें, 20% (4) आंगनवाड़ियों में झूले, 20% (4) आंगनवाड़ियों में फिसलपट्टी, 85% (17) आंगनवाड़ियों में गेंद, 65% (13) आंगनवाड़ियों ब्लाक, 35% (7) आंगनवाड़ियों में मोती तथा 50% (10) आंगनवाड़ियों में अन्य खेलने की सुविधाएं है।

ICDS के अनुसार खेलने का मैंदान, खिलौनें, झूलें, फिसलपट्टी, गेंद, ब्लाक, मोती अन्य सुविधाएं आंगनवाडी केन्द्र में होनी चाहिए।

अवलोकन द्वारा ज्ञात होता है 20% (4) आंगनवाडी में झूलें तथा फिसलपट्टी पाई गई, जो कि ठीक स्थिति में नहीं थे। तथा खिलौनें की संख्या पर्याप्त थी परन्तु खिलौनें पुराने थे।

4.2.4 प्राथमिक उपचार संबंधित सुविधाएं

तालिका क्रमांक 4.2.4

प्राथमिक उपचार संबंधित सुविधाओं का विवरण :-

सुविधाएं	आंगनवाडी की संख्या N=20	प्रतिशत
कैंची	9	45%
कॉटन	10	50%
डिटॅाल	9	45%
पट्‌टी	9	45%
गोलियां	19	95%
थर्मामीटर	14	70%
वजन मापन यंत्र	4	20 %
अन्य	5	25%

तालिका क्रमांक 4.2.4 होशंगाबाद की 20 आंगनवाडियों में प्राथमिक उपचार संबंधित सुविधाओं का विवरण देती है 45% (9) आंगनवाड़ियों में कैची, 50% (10) आंगनवाड़ियों में काटन, 45% (9) आंगनवाड़ियों में डिटाल, 45% (9) आंगनवाड़ियों में पट्‌टी 95% (19) आंगनवाड़ियों में गोलियां, 70% (14) आंगनवाड़ियों में थर्मामीटर, 20% (4) आंगनवाड़ियों में वजन मापन यंत्र तथा 25% (5) आंगनवाड़ियों में अन्य प्राथमिक उपचार संबंधित सामग्री है।

ICDS के अनुसार प्राथमिक उपचार से संबंधित सामग्री कैची, कॉटन, डिटॅाल, पट्‌टी, गोलियां, थर्मामीटर वजन मापन यंत्र आदि सभी आंगनवाडी में होना चाहिए।

अवलोकन से हमें ज्ञात होता है कि 45% (9) आंगनवाडी में कैची कॉटन, डिटॅाल वजन मापन यंत्र पाए गए। जिसमें से वजन मापन यंत्र 20% (4) आंगनवाडी में ही पाए गए। जो कि ठीक स्थिति में थे।

4.3 साक्षात्कार अनुसूची

प्रस्तुत अध्ययन में साक्षात्कार अनुसूची को दो भागो में बॉटा गया है। अनौपचारिक शिक्षा के लिए तथा स्वास्थ्य जांच टीकाकरण पोषण आहार के लिए तैयार की गई है।

4.3 अनौपचारिक शिक्षा के लिए

अनौपचारिक शिक्षा से संबंधित प्रश्नो की व्याख्या इस प्रकार से की गई है।

4.3.1 भाषा विकास

तालिका क्रमांक 4.3.1

बच्चों में भाषा विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरणः-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N= 20)	प्रतिशत
कहानियां	20	100%
गीत व कविता	17	85%
विभिन्न आवाज	15	75%
कहना (नरेशन)	13	65%
खेल द्वारा	9	45%
शब्द पुनरावृत्ति	20	100%
प्रश्न पूछना	14	70%
चित्र पाठन	12	60%

तालिका क्रमांक 4.3.1 होशंगाबाद शहर की 20 आंगनवाडियों केन्द्रों में भाषा विकास के लिये कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है। 100% (20) आंगनवाडियों में कहानियां तथा शब्द पुनरावृत्ति द्वारा बच्चों का भाषा विकास कराया जा रहा है। जबकि 85% (17) आंगनवाडियों में गीत व कविता द्वारा, 75% (15) आंगनवाडियों में विभिन्न आवाज, 65% (13) आंगनवाडियों में खेल द्वारा, 70% (14) आंगनवाडियों में प्रश्न पूछना द्वारा, 60% (12) आंगनवाडियों में चित्र पाठन द्वारा भाषा विकास के लिए क्रियाएं कराई जा रही है।

ICDS के अनुसार कहानियां, गीत व कविता विभिन्न आवाज, कहना (नरेशन) खेल, शब्द पुनरावृत्ति प्रश्न पूछना चित्र पाठन आदि द्वारा भाषा विकास कराया जाना चाहिए।

तालिका क्रमांक 4.3.1 से ज्ञात होता है सिर्फ 45% (9) आंगनवाडियों में ही खेल द्वारा भाषा विकास कराया जा रहा है।

4.3.2 पढाई की तैयारी

तालिका क्रमांक 4.3.2

बच्चों की पढ़ाई की तैयारी के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरणः-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
अक्षर ज्ञान	16	80%
चित्र पाठन	13	65%
जोडा बनाना	11	55%
पुस्तक पाठन	Nil	Nil
फ्लेश कार्ड	12	60%
चार्ट/ चित्र	14	70%

तालिका क्रमांक 4.3.2 20 आंगनवाडियों में बच्चों की पढाई की तैयारी के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है 80% (16) आंगनवाडियों में अक्षर ज्ञान द्वारा, 65% (13) आंगनवाडियों में चित्र पाठन द्वारा, 55% (11) आंगनवाडियों में जोडा बनाना, 60% (12) आंगनवाडियों में फ्लेश कार्ड द्वारा, 70% (14) आंगनवाडियों में चार्ट/चित्र द्वारा बच्चों की पढ़ाई की तैयारी के लिए क्रियाएं कराई जाती है।

ICDS के अनुसार अक्षर- चित्र पाठन जोडा बनाना पुस्तक पाठन फ्लेश कार्ड /चार्ट/चित्र आदि द्वारा बच्चो में पढाई की तैयारी कराई जानी चाहिए।

अतः तालिका क्रमांक 4.3.2 से ज्ञात होता है कि 55% (11) आंगनवाडियों में जोड़ बनाना द्वारा बच्चों में पढाई की तैयारी की लिए क्रियाएं कराई जाती है। जबकि किसी भी आंगनवाडी में पुस्तक पाठन द्वारा पढाई की तैयारी नहीं कराई जाती है।

4.3.3 लेखन की तैयारी

तालिका क्रमांक 4.3.3

बच्चों की लिखने की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय के विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण -

क्रियाए	आंगनवाडी की संख्या ((N= 20)	प्रतिशत
डॉट जोडना	11	55%
चित्र बनाना	13	65%
प्रिटिंग	10	50%
गेंद	12	60%
ब्लॉक के खेल	9	45%
मोती के खेल	8	40%
क्रमबद्ध करना	17	65%
नमूने बनाना	7	35%

तालिका क्रमांक 4.3.3 20 आंगनवाडियों में बच्चों को लिखने की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय के विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है। 55% (11) आंगनवाडियों में डॉट जोड़ना, 65% (13) आंगनवाडियों में चित्र बनाना, 50% (10) आंगनवाडियों में प्रिटिंग, 60% (12) आंगनवाडियों में गेंद द्वारा, 45% (9) आंगनवाडियों में ब्लाक के खेल, 40% (8) आंगनवाडियों में मोती के खेल, 65%(17) आंगनवाडियों में क्रमबद्ध करना, 35% (7) आंगनवाडियों में नमूने बनाना द्वारा बच्चों में लिखने की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय का विकास कराया जा रहा है।

ICDS के अनुसार डॉट जोडना, चित्र बनाना, प्रिटिंग गेंद, ब्लॉक के खेल, मोती के खेल, क्रमबद्ध करना, नमूने बनाना आदि द्वारा लिखने की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय के विकास के लिए क्रियाएं कराई जानी चाहिए।

तालिका 4.3.3. से ज्ञात होता है कि सिर्फ 35% (7) आंगनवाडी में नमूने बनाना के द्वारा बच्चो की लिखने की तैयारी तथा नेत्र हाथ समन्वय के विकास की क्रियांए कराई जा रही है।

4.3.4 गणित की तैयारी

तालिका क्रमांक 4.3.4

बच्चों की गणित की तैयारी के लिए कराई जानी वाली क्रियाओं का विवरणः-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
बडा- छोटा	20	100%
कम- ज्यादा	20	100%
दायां - बायां	20	100%
दूर - पास	20	100%
हल्का - भारी	20	100%
लंबा- छोटा	20	100%

तालिका क्रमांक 4.3.4 20 आंगनवाडी केन्द्र में बच्चो में गणित की तैयारी के लिए कराई जाने वाली क्रियांओ का विवरण देती है। 100% (20) आंगनवाडियों में बडा- छोटा, कम- ज्यादा, दायां- बायां, दूर-पास, हल्का-भारी, लंबा छोटा द्वारा बच्चों में गणित की तैयारी के लिए कराई कर जा रही है।

ICDS के अनुसार बडा-छोटा, कम- ज्यादा, दायां-बाया, दूर- पास, हल्का-भारी, लंबा-छोटा आदि क्रियाएं कराई जाती है।

तालिका 4.3.4 से ज्ञात होता है कि सभी आंगनवाडी में गणित की तैयारी के लिए उपरोक्त सभी क्रियाएं कराई जाती है।

4.3.5 आवाजों की पहचान व अन्तर के लिए

तालिका क्रमांक 4.3.5

बच्चों में विभिन्न आवाजो की पहचान व अंतर के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण :-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
टेप- रिकार्डर	Nil	Nil
सी-डी.	Nil	Nil
कम्प्यूटर	Nil	Nil
संगीत वाद्य यंत्र	15	75%
शिक्षक की आवाज	20	100%

तालिका क्रमांक 4.3.5 20 आंगनवाडियों में बच्चों में विभिन्न आवाजो की पहचान व अंतर के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है। 75% (15) आंगनवाडियों में संगीत वादय यंत्र, 100% (20) में शिक्षक की आवाज के द्वारा विभिन्न आवाजो की पहचान व अंतर के लिए क्रियाएं कराई जा रही है।

ICDS के अनुसार टेप- रिकार्डर,सी.डी., कम्प्यूटर संगीत, वाद्ययंत्र, शिक्षक की आवाज द्वारा विभिन्न आवाजो की पहचान व अंतर के लिए क्रियाए कराई जाती है।

तालिका क्रमांक 4.3.5 से ज्ञात होता है कि टेप रिकार्डर सी.डी. कम्प्यूटर किसी भी आंगनवाडी में नही पाए गए। अधिकांश आंगनवाड़ियों में शिक्षक की आवाज के द्वारा विभिन्न आवाजों की पहचान व अन्तर के लिए क्रिया कराते हैं।

4.3.6 बौद्धिक विकास

तालिका क्रमांक 4.3.6

बच्चों में बौद्धिक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण :-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N= 20)	प्रतिशत
वस्तु पहचानना	19	95%
वस्तु तुलना	18	90%
कहानी	15	75%
चित्र मॉडल	13	65%
विभिन्न आकृति	16	70%
स्थायी सामग्री	5	25%

तालिका क्रमांक 4.3.6. 20 आंगनवाडियों में बच्चो कें बौद्धिक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है 95% (19) आंगनवाडियों में वस्तु पहचानना, 90% (18) आंगनवाडियों में वस्तु तुलना, 75% (15) आंगनवाडियों में कहानी, 65% (13) आंगनवाडियों में चित्र तथा मॉडल, 70% (16) आंगनवाडियों में विभिन्न आकृति, 25% (5) आंगनवाडियों में स्थायी सामग्री द्वारा बौद्धिक विकास के लिए क्रियाएं कराई जा रहदी है।

ICDS के अनुसार वस्तु पहचानना, वस्तु तुलना, कहानी, चित्र, मॉडल, विभिन्न आकृति, स्थायी सामग्री आदि के द्वारा बौद्धिक विकास कराया जाना चाहिए।

तालिका 4.3.6 से ज्ञात होता है 25% (5) आंगनवाडियों में स्थायी सामग्री द्वारा बौद्धिक विकास के लिए कियाएं कराई जा रही है।

Regional ... of Education LIBRARY Bhopal

4.7 सामाजिक विकास

तालिका 4.3.7

बच्चों में सामाजिक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओ का विवरण:-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
समूह खेल	20	100%
समूह भोजन	20	100%
समूह नाटक	5	25%
समूह कार्य	8	40%

तालिका क्रमांक 4.3.7. 20 आंगनवाडियों में बच्चों में सामाजिक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है। 100% (20) आंगनवाडियों में समूह खेल तथा समूह भोजन द्वारा, 25% (5) आंगनवाडियों में समूह नाटक द्वारा तथा 40% (8) आंगनवाडियों में बच्चो की आयु व क्षमता के अनुसार समूह कार्य द्वारा सामाजिक विकास के लिए क्रियाएं कराई जाती है।

ICDS के अनुसार समूह खेल, समूह भोजन समूह नाटक, समूह कार्य आदि द्वारा सामाजिक विकास कराया जाता है।

तालिका क्रमांक 4.3.7. से ज्ञात होता है 25% (5) आंगनवाडियों में समूह नाटक द्वारा सामाजिक विकास के लिए क्रियाएं कराई जा रही है।

4.3.8 शारीरिक विकास

बडी मासपेशियों के विकास के लिए

तालिका क्रमांक 4.3.8

बच्चों को बडी मांसपेशियो के विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओ का विवरण :-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N= 20)	प्रतिशत
गोल दायरे में चलना	6	30%
भागना	8	40%
सरकना/पलटना	2	20%
उछलना	9	45%
फेकना	4	20%
पी.टी.	3	15%
खेल-कूद	19	95%

तालिका 4.3.8. 20 आंगनवाडी में बच्चो की बडी मांसपेशियों के विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है।

30%(6) आंगनवाड़ियों में गोल दायरे में चलना, 40% (8) आंगनवाड़ियों में भागना, 20% (2) आंगनवाड़ियों में सरकना/ पलटना, 45% (9) आंगनवाड़ियों में उछलना, 20% (4) आंगनवाड़ियों में फेंकना, 15% (3) आंगनवाड़ियों में पी.टी., 95%(19) आंगनवाड़ियों में खेल-कूद द्वारा बडी मांसपेशियो को विकास के लिऐ क्रियाएं कराई जाती है।

ICDS के अनुसार बडी मांसपेशियो के लिऐ गोल दायरे में चलना, भागना , सरकना, पलटना, उछलना, फेकना, पी.टी. खेल-कूद आदि क्रियाएं कराई जाती है।

अतः तालिका 4.3.8 से यह ज्ञात होता है। सिर्फ 15% (3) आंगनवाड़ियों में पी.टी. द्वारा बडी मांसपेशियो का विकास कराया जा रहा है। जबकि अधिकांश आंगनवाडियों में खेल-कूद द्वारा बड़ी मांसपेशियों का विकास कराया जाता है।

4.3.9 छोटी मांसपेशियों के विकास के लिए -

तालिका क्रमांक 4.3.9

बच्चों की छोटी मांसपेशियो के विकास के लिऐ कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N= 20)	प्रतिशत
मोती पिरोना	8	40%
ब्लाक्स से खेलना	4	20%
कागज फाडना व चिपकाना	6	30%
पानी से खेलना	2	10%
पत्तो, टहनियो, पंख बीजो को छाटना	4	20%
फूलो की माला	14	70%
जमीन पर आकृति बनाना	9	45%

तालिका क्रमांक 4.3.9. 20 आंगनवाडी केन्द्रो में बच्चों की छोटी मांसपेशियो के विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओ का विवरण देती है। 40% (8) आंगनवाड़ियो में मोती पिरोना, 20% (4) आंगनवाड़ियो में ब्लॉक्स से खेलना, 30% (6) आंगनवाड़ियो में कागज फाडना व चिपकाना 10% (2) आंगनवाड़ियो में पानी से खेलना, 20% (4) आंगनवाड़ियो में पत्तो, टहनियो पंख व बीजो को छांटना, 20% (4) आंगनवाड़ियो फूलो की माला बनाना, 70% (14) आंगनवाड़ियो में जमीन पर आकृति तथा

45% (9) आंगनवाड़ियो में अन्य क्रियाओ द्वारा छोटी मांसपेशियो के विकास के लिए क्रियाए कराई जा रही है।

ICDS के अनुसार मोती पिरोना, ब्लाक्स से खेलना, कागज फाडना व चिपकाना, पानी से खेलना, पत्तो, टहनियो पंख व बीजो को छांटना फूलों की माला जमीन पर आकृति तथा अन्य क्रियाएं द्वारा बच्चों की छोटी मांसपेशियों का विकास, किया जाना चाहिए।

तालिका 4.3.9 से ज्ञात होता है कि सिर्फ 10% (2) आंगनवाडी में पानी से खेलना द्वारा छोटी मांसपेशियो का विकास कराया जा रहा है।

4.3.10 ज्ञानेन्द्रिय संवेदना विकास

तालिका क्रमांक 4.3.10

बच्चो में ज्ञानेन्द्रिय संवेदना विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण :-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N=20)	प्रतिशत
दृश्य- विभिन्न आकार व बनावट की वस्तु	8	40%
स्वाद- मीठा, खट्टा, नमकीन	20	100%
गंध- विभिन्न गंध की वस्तुएं	4	20%
स्पर्श- कठोर, नर्म, सूखा, गीला	15	75%
श्रृव्य - विभिन्न आवाज	17	85%

तालिका क्रमांक 4.3.10 20 आंगनवाडी में बच्चों में ज्ञानेन्द्रिय विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओं का विवरण देती है। 40% (8) आंगनवाडियों में दृश्य के लिए विभिन्न आकार व बनावट की वस्तुएं द्वारा, 100% (20) आंगनवाडियों में स्वाद के लिए मीठा, खट्टा, नमकीन, पदार्थों द्वारा, 20% (4) आंगनवाडियों में गंध के लिए विभिन्न गंध की वस्तुओं द्वारा, 75% (15) आंगनवाडियों में स्पर्श के लिए कठोर-नर्म, सूखा गीला द्वारा तथा 85% (17) आंगनवाडियों में श्रृव्य के लिए विभिन्न आवाज द्वारा ज्ञानेन्द्रिय के विकास कराया जाता है।

ICDS के अनुसार सभी आंगनवाडी में विभिन्न आकृति व बनावट द्वारा दृश्य, विभिन्न खाद्य पदार्थ द्वारा स्वाद, विभिन्न फूल व गंध वाली वस्तुओ द्वारा गंध, विभिन्न वस्तुओं द्वारा स्पर्श, तथा विभिन्न आवाजो श्रृव्य ज्ञानेन्द्रिय संवेदना को विकसित करने की सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

अतः तालिका क्रमाक 4.3.10 से ज्ञात होता है 20% (4) आंगनवाडियों में विभिन्न गंध की वस्तुएं द्वारा गंध ज्ञानेन्द्रिय संवेदना का विकास किया जा रहा है। जबकि अधिकांश आंगनवाडियों में स्वाद के लिए मीठा खट्टा नमकीन द्वारा ज्ञानेन्द्रि संवेदना का विकास किया जाता है।

4.3.11 सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास

तालिका क्रमांक 4.3.11

बच्चों में सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओ का विवरण :-

क्रियाएं	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
कागज की नाव बनाना	15	75%
गेंद बनाना	17	85%
मिट्टी से आकृति	8	40%
बिन्दी से बिन्दी मिलाना	15	75%
रंगोली बनाना	13	65%
जमीन पर आकृति	19	95%
फिरकनी	13	65%
रंग के छापे बनाना	17	85%
रंग भरना	19	95%
अन्य	9	45%

तालिका क्रमांक 4.3.11 20 आंगनवाडी में बच्चो में सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास के लिए कराई जाने वाली क्रियाओ का विवरण देती है। 75% (15) आंगनवाडियों में कागज की नाव बनाना तथा बिन्दी से बिन्दी मिलना, 95% (17) आंगनवाडियों में गेंद बनाना, 40% (8) आंगनवाडियों में मिट्टी से आकृति, 65% (13) आंगनवाडियों में रंगोली बनाना, तथा फिरकनी, 95% (19) आंगनवाडियों में जमीन पर आकृति, 85% (17) आंगनवाडियों में रंग के छापे बनाना, 95% (19) आंगनवाडियों में रंग भरना, 45% (9) आंगनवाडियों में अन्य क्रियाएं द्वारा सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास कराया जाता है।

ICDS के अनुसार कागज की नाव बनाना गेद बनाना मिट्टी से आकृति, बिन्दी से बिन्दी मिलाना रंगोली बनाना, जमीन पर आकृति, फिरकनी, रंग के छापे बनाना रंग भरना अन्य क्रियाएं सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास के लिए कराई जानी चाहिए।

तालिका क्रमांक 4.3.11 से ज्ञात होता है सिर्फ 40% (8) आंगनवाडियों में मिट्टी से आकृति के द्वारा तथा अधिकांश आंगनवाडियों में रंग भरना द्वारा बच्चों में सृजनात्मक तथा कलात्मक क्रियाएं कराई जाती है ।

पोषण आहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच के लिए

4.3.12 संतुलित आहर के संबंध में - 20 आंगनवाडी केन्द्रो में से 15 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के अनुसार संतुलित आहर जिसमें सभी पोषक तत्व पाए जाते है। जो शरीर के विकास में सहायक होते है। 4 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का कहना है कि संतुलित आहार से शरीर का समुचित विकास होता है। 2 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का कहना है, कि इनकी कमी से शरीर रोगग्रस्त होता है। अतः सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता संतुलित आहार के बारे में जानकारी रखते हुए पाए गए।

4.3.13 20 आंगनवाडी केन्द्रो में से 16 आंगनवाडी कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिया जा रहा पोषक आहार बच्चो के विकास में सहायक है। तथा 4 आंगनवाडियो के कार्यकर्ता का कहना है कि पोषक आहार बच्चो के विकास में पूर्ण रूप से सहायक नहीं है।

अतः ICDS के अनुसार पोषक आहार बच्चों के विकास में सहायक होना चाहिए।

अतः अधिकांश आंगनवाडियों के कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिया जा रहा पोषक आहर बच्चों के विकास में सहायक है।

4.3.14 टीकाकरण के संबंध में - 20 आंगनवाडी केन्द्रो के सभीं आंगनवाडियों के कार्यकर्ताओं का कहना है कि रोगो से बचाने के लिए टीकाकरण कराया जाता है।

4.3.15 20 आंगनवाडी केन्द्रो में से सभी आंगनवाडी के कार्यकर्ता टीकाकरण सिस्टर के माध्यम से कराते है।

4.3.16 जन्म दर व मृत्यु दर के संबंध में - 20 आंगनवाडी केन्द्रो में से 18 आंगनवाडियों के कार्यकर्ता जन्मदर व मृत्युदर का पता सर्वे द्वारा लगाते है। जबकि 2 आंगनवाडियों के कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी लेकर जन्मदर व मृत्युदर का पता लगाते है।

ICDS के अनुसार जन्मदर व मृत्युदर का पता सर्वे द्वारा लगाना चाहिए।

अतः अधिकांश आंगनवाडियों के कार्यकर्ता जन्मदर व मृत्युदर का पता सर्वे द्वारा लगाते है।

4.3.17 पोषण आहार

तालिका 4.3.17

आंगनवाडी में वितरित पोषक आहार का विवरण :-

पोषक आहार	आंगनवाडी की संख्या (N = 20)	प्रतिशत
दलिया	16	80%
ब्रेड	3	15%
कुरकुरे	17	55%
मुरमुरे	18	90%
नमकीन	14	70%
खीर पूड़ी	5	25%

तालिका क्रमांक 4.3.17 20 आंगनवाडी केन्द्रो में वितरित पोषक आहार का विवरण देती है। 80% (16) आंगनवाडियों में दलिया, 15% (3) आंगनवाडियों में ब्रेड, 55% (17) आंगनवाडियों में कुरकुरे, 90% (18) आंगनवाडियों में मुरमुरे, 70% (14) आंगनवाडियों में नमकीन, 25% (5) खीर पूड़ी दी जा रही है।

ICDS के अनुसार प्रत्येक दिन अलग- अलग पोषक आहार जैसे दलिया, नमकीन, ब्रेड, कुरकुरे, मुरमुरे, खीर पूडी आदि का वितरण किया जाना चाहिए।

तालिका क्रमांक 4.3.17 से ज्ञात होता है सिर्फ 15% (3) आंगनवाडियों में ब्रेड तथा 25% (5) आंगनवाडियों में खीर पूडी का वितरण कम किया जाता है।

4.3.18 पोषण आहार का समय

तालिका क्रमांक 4.3.18

पोषक आहार के वितरण के समय का विवरण :-

समय	आंगनवाडी की संख्या N = 20	प्रतिशत
सुबह	20	100%
दोपहर	Nil	Nil

तालिका 4.3.18 20 आंगनवाडी में पोषक आहार के वितरण के समय का विवरण देती है। सभी आंगनवाडी में कार्यकर्ता पोषक आहार सुबह वितरित करते है। किसी भी आंगनवाडी में पोषक आहार दोपहर में वितरित नहीं किया जाता है।

ICDS के अनुसार आंगनवाडी केन्द्र में पोषक आहार का वितरण सुबह किया जाना चाहिए। अतः सभी आंगनवाडी केन्द्र के कार्यकर्ता पोषक आहार सुबह वितरित करते हुए पाए गए।

4.3.19 पोषण आहार की मात्रा

तालिका क्रमांक 4.3.19

पोषक आहार के वितरण की मात्रा का विवरण :-

पोषक आहार	आंगनवाडी की संख्या N= 20	प्रतिशत
85 ग्राम	16	80%
75 ग्राम	4	20%

तालिका 4.3.19 20 आंगनवाडी केन्द्रो में पोषक आहार के वितरण की मात्रा का विवरण देती है। 85% (16) आंगनवाडियों में पोषक आहार 85 ग्राम देते है। 20% (4) आंगनवाडियों में पोषक आहार की मात्रा 75 ग्राम है।

ICDS के अनुसार पोषक आहार की मात्रा प्रति व्यक्ति 85 ग्राम होनी चाहिए। अतः 20%(4) आंगनवाडी में 75 ग्राम पोषक आहार की मात्रा वितरित करते हुए पाए गए।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4.3.20 पोषण आहार के प्रति बच्चों का दृष्टिकोण

तालिका क्रमांक 4.3.20

पोषक आहार के वितरण के प्रति बच्चो का दृष्टिकोण का विवरण:-

बच्चो का दृष्टिकोण	आंगनवाडी की संख्या N= 20	प्रतिशत
वही पर खुशी-खुशी खाते	20	100%
घर ले जाते है	Nil	Nil

तालिका 4.3.20 20 आंगनवाडी केन्द्रो में पोषक आहार के वितरण के प्रति बच्चो का दृष्टिको का विवरण देती है। 100% (20) आंगनवाडी में बच्चे पोषक आहार के प्रति दृष्टिकोण में वही पर खुशी खुशी खाते है। किसी भी आंगनवाडी में बच्चे पोषक आहार को घर नही ले जाते है।

ICDS के अनुसार सभी आंगनवाडी में बच्चे पोषक आहार को वही पर खुशी-खुशी खाना चाहिए।

अतः तालिका 4.3.20 से ज्ञात होता है किसी भी आंगनवाडी के बच्चें पोषक आहार को घर नहीं ले जाते है।

4.3.21 अभिलेखों की जॉच

तालिका क्रमांक 4.3.21

पर्यवेक्षको द्वारा अभिलेखो की जांच की आकृति का विवरण :-

अभिलेख की जांच	आंगनवाडी की संख्या N=20	प्रतिशत
प्रतिमाह	20	100%
प्रति वर्ष	20	100%

तालिका 4.3.21 पर्यवेक्षको द्वारा अभिलेखको की जांच की आकृति का विवरण देती है। सभी आंगनवाडी केन्द्रो में प्रतिमाह तथा प्रतिवर्ष का अभिलेख रखा पाया गया।

ICDS के अनुसार सभी आंगनवाडी केन्द्र में अभिलेख की जांच प्रतिमाह व प्रतिवर्ष की जाना चाहिए।

4.3.22 स्वास्थ देखरेख व टीकाकरण का प्रभाव

तालिका 4.3.22

स्वास्थ देखरेख व टीकाकरण के कारण क्षेत्रो में रोगों की संख्या घटती हुई का विवरण-

रोगो की संख्या कम हुई है।	आंगनवाडी की संख्या N=20	प्रतिशत
हां	20	100%
नहीं	Nil	Nil

तालिका 4.3.22 स्वास्थ्य देखरेख व टीकाकरण के कारण क्षेत्रों में रोगो की संख्या घटी है का विवरण देती है। सभी आंगनवाडी में स्वास्थ देखरेख व टीकाकरण के कारण रोगों की संख्या कम हुई है।